



711

95

न्यायालय : राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

मोहनलाल असाठी वलद बारेलाल असाठी

दिनांक 02/12/16

साकिन ईशानगर छतरपुर जिला छतरपुर

श्री. श्री. राजनी वशिष्ठ शर्म

-- आवेदक

आज दि. 06/12/16

॥ धिस्त ॥

02/12/16

-- अनावेदक

वलद बारेलाल असाठी
राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर

भूल-सुधार बाबत आवेदन-पत्र अन्तर्गत धारा -32 म.प्र. भू.रा.

संख्या :-

आवेदक की ओर से निम्न प्रार्थना है :-

1. यह कि, श्रीमान न्यायालय द्वारा निगरानी प्रकरण क्रमांक 3025-एक/6 में दिनांक 05/09/16 को आदेश पारित किया गया है जिसमें भूलवश निगरानी आवेदन में टंकण ट्रुटि के कारण पृष्ठ -1 के पैरा एक की दूसरी लाइन पर खसरा नंबर 1945/2 की जगह खसरा नं. 1943/2 दर्ज हो गया। उसी आधार पर माननीय न्यायालय से आदेश पारित हो गया है जबकि निगरानी के तथ जो भी दस्तावेज पट्टा की नकल में खसरा नंबर 1945/2 है दर्ज जो कि सच व सही हैं।

आ: श्रीमान जी से प्रार्थना है कि उक्त आवेदन स्वीकार कर जहाँ जहाँ निगरानी आवेदन एवं आदेश दिनांक 05/09/16 में ख. नं. 1943/2 दर्ज है उन सभी जगहों पर खसरा नं. 1943/2 की जगह क्र. नं. 1945/2 टंकित की जाने की कृपा की जायें।

सागर

आवेदक/अधिवक्ता
मोहनलाल

दिनांक :

सौम्य -पट्टा की नकल एवं पारित आदेश की प्रति

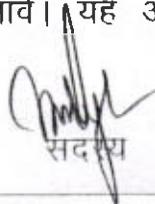
Handwritten mark

राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक विविध 9276-एक/16

जिला - छतरपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों आदि के हस्ताक्षर
6 .12.16	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्रीमती रजनी वशिष्ठ शर्मा उपस्थित होकर उनके द्वारा भूल सुधार बावत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 32 म0प्र0 भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2- उनके द्वारा निवेदन किया गया है कि न्यायालय राजस्व मण्डल प्र0 क0 निग0 3025-एक/16 में पारित आदेश दिनांक 5.9.16 में भूलवश निगरानी आवेदन में टंकण की त्रुटि से पृष्ठ क्रमांक 1 के पैरा एक की दूसरी लाईन पर खसरा नंबर 1945/2 की जगह खसरा नंबर 1943/2 दर्ज हो गया है । उसी आधार पर माननीय न्यायालय से आदेश पारित किया है उसमें भी खसरा नंबर 1943/2 हो गया है । उन सभी जगहों पर खसरा नं0 1943/2 की जगह खसरा नंबर 1945/2 करने का अनुरोध किया गया है।</p> <p>2- आवेदक अधिवक्ता का अनुरोध स्वीकार किया जाता है तथा निगरानी मेमो के पृष्ठ 1 के पैरा एक की दूसरी लाईन पर खसरा नंबर 1943/2 की जगह 1945/2 पढ़ा जावे। इसी प्रकार आदेश में पैरा 2 के आठवीं लाईन में ख0 न0 1943/2 के स्थान पर खसरा नंबर 1945/2 पढ़ा जावे। यह आदेश पत्रिका आदेश का मूल अंग मानी जावेगी।</p>	 सदस्य

[Handwritten mark]